भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-1162

उत्तर देने की तारीख-10/12/2025

दीक्षा प्लेटफॉर्म का कार्यान्वयन और उपयोग

1162 **श्री हारिस बीरान:**
श्री दिग्विजय सिंह:
श्रीमती रंजीत रंजन:
श्री नीरज डांगी:

क्या ***शिक्षा*** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले पाँच वर्षों के दौरान दीक्षा प्लेटफॉर्म पर पंजीकृत विद्यार्थियों और शिक्षकों की वर्षवार और राज्यवार कुल संख्या कितनी है;
(ख) प्लेटफॉर्म के सक्रिय उपयोगकर्ताओं (प्रति माह लॉगिन) की संख्या और अनुपात कितना है;
(ग) पिछले पाँच वर्षों के दौरान प्रत्येक वर्ष दीक्षा पर कम से कम एक पाठ्यक्रम या मॉड्यूल पूरा करने वाले शिक्षार्थियों की संख्या कितनी है;
(घ) पिछले पाँच वर्षों के दौरान प्लेटफॉर्म के विकास, रखरखाव और उन्नयन पर कुल कितना व्यय हुआ है; और
(ङ) क्या दीक्षा के कार्यान्वयन और शिक्षण परिणामों का कोई स्वतंत्र मूल्यांकन या संपरीक्षा की गई है, और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) से (ङ): शिक्षा संविधान की समवर्ती सूची का भाग है और अधिकांश सरकारी स्कूल और स्कूल बोर्ड राज्य सरकार और उसकी संस्थाओं के प्रशासन में आते हैं। शिक्षा मंत्रालय ने दिनांक 29.07.2020 को 21वीं सदी की पहली शिक्षा नीति के तौर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी 2020) की घोषणा की, जिसका उद्देश्य हमारे देश की अनेक बढ़ती विकास संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करना है। शिक्षा मंत्रालय, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के साथ मिलकर समग्र शिक्षा के तहत आईसीटी और डिजिटल पहल लागू करता है, ताकि देश भर के सरकारी स्कूलों में

डिजिटल शिक्षा को बढ़ाया जा सके। इन पहलों का उद्देश्य शिक्षण और अधिगम प्रक्रिया में प्रौद्योगिकी को शामिल करके शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाना है।

ज्ञान साझाकरण के लिए डिजिटल अवसंरचना (दीक्षा) राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में स्कूल शिक्षा के लिए गुणवत्तापूर्ण ई-सामग्री प्रदान करने के लिए सभी कक्षा के लिए क्यूआर कोड वाली एनर्जाइज्ड पाठ्यपुस्तकों (ईटीबी) के साथ-साथ है। देश का एक राष्ट्र, एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है। दीक्षा में भाग लेने वाले राज्य/संघ राज्य क्षेत्र/एबी ने स्थानीय/क्षेत्रीय भाषाओं में 3.7 लाख से अधिक सामग्री तैयार की है और योगदान दिया है, जिससे अनेक भाषाएँ बोलना आसान हो गया है। कुल मिलाकर, दीक्षा पर छात्रों, शिक्षकों और दूसरे हितधारकों ने 565.28 करोड़ शिक्षा सत्र पूरे किए हैं। दीक्षा ऑफलाइन सीमित अथवा बिना इंटरनेट कनेक्टिविटी वाले क्षेत्रों को सहायता प्रदान करता है। हितधारकों के पास दीक्षा पर 450 से ज़्यादा वर्चुअल लैब्स और 100 वर्चुअल स्किल लैब्स (हिंदी और अंग्रेजी में 50-50) का एक्सेस है। दीक्षा से जुड़े सभी आंकड़े डैशबोर्ड (https://diksha.gov.in/data/) से देखे जा सकते हैं।

शिक्षा मंत्रालय, स्कूल शिक्षा स्तर पर अधिगम परिणामों में सुधार करने के लिए एक राष्ट्रीय मिशन लागू कर रहा है। इसके लिए एक शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है, जिसे स्कूल प्रमुखों और शिक्षकों के समग्र उन्नति के लिए राष्ट्रीय पहल (निष्ठा) कहा जाता है। निष्ठा कोर्स प्रारंभिक, माध्यमिक, एफएलएन और ईसीसीई और शैक्षिक प्रौद्योगिकी के लिए तैयार किए गए हैं और चलाए जा रहे हैं। निष्ठा पाठ्यक्रम एनसीईआरटी द्वारा दीक्षा प्लेटफॉर्म पर उच्च-गुणवत्तापूर्ण व्यावसायिक रुप से बनाई गई ई-सामग्री का उपयोग करके ऑनलाइन दिए जाते हैं। निष्ठा (प्रारंभिक, माध्यमिक, एफएलएन और ईसीसीई) के तहत लगभग 65 लाख शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया है। निष्ठा संभवत: भारत के स्तर पर विश्व के सबसे बड़े शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में से एक है।

पिछले पांच वर्षों के दौरान प्लेटफॉर्म के विकास, रखरखाव और उन्नयन पर कुल व्यय हुआ है: वर्ष 2021-22: 49.90 करोड़ रुपये, वर्ष 2022-23: 63.22 करोड़ रुपये, वर्ष 2023-24: 55.20 करोड़ रुपये, वर्ष 2024-25: 83.07 करोड़ रुपये, 2025-26 (दिनांक 27 नवंबर 2025 तक): 2.14 करोड़ रुपये।

शिक्षा मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के परख राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र ने परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 में देश भर के कक्षा 3, 6 और 9 के 21 लाख से अधिक पात्रों का मूल्यांकन किया गया। जिन्होंने डिजिटल एक्सेस पर प्रासंगिक डेटा एकत्र किया, जिसे https://dashboard.parakh.ncert.gov.in/en. पर देखा जा सकता है।

*****